



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 516]
No. 516]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 6, 1986/कार्तिक 15, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 6, 1986/KARTIKA 15, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

विधि तथा न्याय मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1986

सा.का.नि. 1187(अ) :—उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (सेवा शर्तें) अधिनियम 1958 (1958 का 41) की धारा 24 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (यात्रा भत्ता) नियम 1959 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) ये नियम उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (यात्रा भत्ता) संशोधन नियम, 1986 कहलायेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश (यात्रा भत्ता) नियम, 1959 में,

(1) नियम 1-क में, उप नियम (2) के बाद निम्नलिखित उप नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

(3) “मील भत्ता” का तात्पर्य संबंधित निदेशक, परिवहन द्वारा सूचित टैक्सी भाड़े की दर से मार्ग का मील में दूरी के अनुसार भत्ता”।

(2) नियम 5, उप-नियम (1) में—

(1) खण्ड (ग) में—

(क) “दो मन” शब्दों के स्थान पर “80 किलोग्राम” शब्द तथा संख्या प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(ख) “32 पैसे प्रति किलोमीटर” शब्द तथा संख्या के स्थान पर “संबंधित निदेशक, परिवहन द्वारा सूचित आटो रिक्शा के प्रति किलोमीटर के भाड़े की दर का आधा प्रतिस्थापित किया जाएगा।”

(2) खण्ड (घ) में, “1.30 रु. प्रति किलोमीटर की दर से भत्ता” संख्या तथा शब्दों के स्थान पर “मील में भत्ता” शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे;

(3) खंड (च) में—

(क) “35 रु.” लिटर तथा संख्या के स्थान पर “100.रु” लिटर तथा संख्या प्रतिस्थापित किए जायेंगे;

(ख) दूसरे परन्तुक में "30 रु." और 45 रु. लिटर तथा संख्या के स्थान पर क्रमशः "80" और "100 रु." लिटर तथा संख्या प्रतिस्थापित किए जायेंगे;

(ग) तीसरे परन्तुक में—

(1) वर्तमान पैरा (1) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

(1) जब किसी न्यायाधीश से अपनी सामान्य झूटी के मुख्यालय से बाहर किसी दूरस्थ स्थान में झूटी करने की आवश्यकता हो, बशर्ते कि राष्ट्रपति प्रत्येक मामले में ऐसी स्थिति निर्धारित करें, तो सभी स्थानों में भत्ता स्वीकृत किया जाएगा जो 100 रु. प्रतिदिन से अधिक न हो और बंबई, कलकत्ता, मद्रास, दिल्ली, हैदराबाद, अहमदाबाद और बंगलौर जैसे विशेष खर्चीले स्थानों अथवा आगे राष्ट्रपति द्वारा घोषित ऐसे स्थानों में परिवहन व्यय जो 20 रु. प्रतिदिन से अधिक न हो स्वीकृत किया जाएगा और सरकारी कर्मचारियों को दी जाने वाली समान दरों पर सरकारी आवास के लिए भी प्राप्त होगा,

(2) पैरा (2) में, "35 रु." लिटर तथा संख्या के स्थान पर "100 रु." लिटर और संख्या प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(4) खंड (ज) में, "60 मन" शब्द और संख्या के स्थान पर "2,400 किलोग्राम" शब्द तथा संख्या प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(5) उप नियम (3), खंड (1) में "पांच मील" जहां कहीं आए, शब्दों के लिए "आठ किलोमीटर" शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

(3) नियम 6, उपनियम (3), खंड (1) में वर्तमान उपखंड (1) और (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

न्यायाधीश के लिए एक मील भत्ता, यदि उसके साथ उसके परिवार के दो सदस्य यात्रा कर रहे हों तो दूसरा मील भत्ता और यदि उसके परिवार के दो से अधिक सदस्य यात्रा कर रहे हों तो तीसरा मील भत्ता—अंतिम झूटी तारीख को न्यायाधीश को मिलने वाली दर पर दिया जाएगा: बशर्ते कि यदि यात्रा का कोई भाग रेल द्वारा पूरा किया जा सकता है तो यात्रा के उस भाग के लिए जिसके लिए भत्ते का दावा किया गया है वह भत्ता उस ग्राह्य राशि से अधिक नहीं होगा। यदि न्यायाधीश और उसके परिवार के सदस्यों ने ऐसे भाग की यात्रा रेल द्वारा सबसे उंची

श्रेणी में की हो (जिसमें वातानुकूलित श्रेणी भी शामिल है);

(4) मौजूदा नियम 6क के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

6क नियम 6 में किसी बात के होते हुए भी, उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश, भारत सरकार के सचिव के रैंक वाले किसी भारतीय प्रशासन सेवा के सदस्य पर निमित्त लागू होने वाले नियमों के अनुसार, अपनी छुट्टी के दौरान, वर्ष में दो बार, भारत के किसी स्थान का भ्रमण करने के लिए (जिसमें उसके मूल राज्य में उसका स्थायी निवास भी शामिल है) स्वयं अपने लिए, अपनी पत्नी तथा अपने परिवार के आश्रित सदस्यों के लिए छुट्टी यात्रा रियायत पाने का हकदार होगा। स्पष्टीकरण:—इस नियम के प्रयोजन के लिए "छुट्टी" में अवकाश भी शामिल रहेगा:

बशर्ते कि न्यायाधीश और उसकी पत्नी को विमान से यात्रा करने या रेल से यात्रा करते समय वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में यात्रा करने का विकल्प होगा। जब न्यायाधीश या उसकी पत्नी छुट्टी यात्रा रियायत पर यात्रा कर रहे हों तो परिवार के आश्रित सदस्यों को भी उनमें से किसी के भी साथ वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में, या विमान से यात्रा करने की अनुमति होगी;

(5) नियम 6ग को हटा दिया जाएगा;

(6) नियम 7 में, उप-नियम (ख) में,—

(1) मौजूदा खंड (1) के स्थान पर, निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

(1) यदि मृत न्यायाधीश के परिवार का एक सदस्य यात्रा करे तो एक मील भत्ता, यदि परिवार के दो सदस्य यात्रा करें तो दूसरा मील भत्ता और यदि दो से अधिक सदस्य यात्रा करें तो तीसरा मील भत्ता उस दर पर दिया जाएगा जो मृत न्यायाधीश को लागू होता हो।

(2) खंड (2) में, "60 मन" शब्दों तथा आंकड़ों के स्थान पर "2,400 किलोग्राम" शब्द तथा आंकड़े प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[एफ स. 24/16/86-न्याय]

जे.एस. बघन, संयुक्त सचिव-

फुटनोट:—मूल नियम भारत का राजपत्र, भाग-II, खण्ड

(3) (i) के पृष्ठ 1054 पर, दिनांक 14 जुलाई, 1959 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 844 में प्रकाशित किए गए।

बाद के संशोधन :

- (1) सा.का.नि. 1881, दिनांक 3-10-1968
- (2) सा.का.नि. 2010, दिनांक 15-12-1970
- (3) सा.का.नि. 263(अ), दिनांक 27-4-1972
- (4) सा.का.नि. 579, दिनांक 30-5-1974
- (5) सा.का.नि. 1365, दिनांक 18-12-1974
- (6) सा.का.नि. 343(अ), दिनांक 12-5-1976
- (7) सा.का.नि. 990, दिनांक 28-7-1978
- (8) सा.का.नि. 871, दिनांक 5-8-1980
- (9) सा.का.नि. 1043, दिनांक 23-9-1980
- (10) सा.का.नि. 394, दिनांक 4-4-1981
- (11) सा.का.नि. 899, दिनांक 28-9-1985
- (12) सा.का.नि. 484(अ), दिनांक 7-3-1986
- (13) सा.का.नि. 175, दिनांक 8-3-1986

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November, 1986

G.S.R. 1187(E).—In exercise of the powers conferred by section 24 of the Supreme Court Judges (Conditions of Service) Act, 1958 (41 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Supreme Court Judges (Travelling Allowance) Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Supreme Court Judges (Travelling Allowance) Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Supreme Court Judges (Travelling Allowance) Rules, 1959,

(1) In rule 1A, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3) “*Mileage allowance*” means the road mileage allowance at the rates notified by the concerned Director of Transport for taxi.”

(2) in rule 5, in sub-rule (1),—

(i) in clause (c)—

(a) for the words “two maunds”, the words and figures “80 Kilogram” shall be substituted;

(b) for the words and figures “32 paise per kilometre”, the words “one half of the rate per kilometre notified by the concerned Director of Transport for autorickshaw shall be substituted.

(ii) in clause (d), for the figures and words “to an allowance at the rate of Rs. 1.30 per kilometre”, the words “to the Mileage allowance”, shall be substituted;

(iii) in clause (f),—

(a) for the letters and figures “Rs. 35”, the letters and figures “Rs. 100” shall be substituted;

(b) in the second proviso, for the letters and figures “Rs. 30” and “Rs. 45”, the letters and figures “Rs. 80” and “Rs. 100” shall respectively be substituted;

(c) in the third proviso,—

(i) for the existing para (i), the following para shall be substituted, namely :—

(i) when a judge is required to perform functions outside his normal duties in localities away from his headquarters he may, subject to such conditions as the President may in each case determine, be granted daily allowance not exceeding Rs. 100/- per day for all types of localities and transport charges not exceeding Rs. 20/- per day in respect of specially expensive localities like Bombay, Calcutta, Madras, Delhi, Hyderabad, Ahmedabad and Bangalore or any other locality so declared hereafter by the President and shall also be entitled to Government accommodation at the same rates as for Government servants;

(ii) in para (ii), for the letters and figures “Rs. 35”, the letters and figures “Rs. 100” shall be substituted;

(iv) in clause (h), for the words and figures “60 maunds”, the words and figures “2,400” kilogram”, shall be substituted;

(v) in sub-rule (3), in clause (i), for the words “five miles” wherever they occur, the words “eight kilometres” shall be substituted;

(3) in rule 6, in sub-rule (3), in clause (b), for the existing sub-clauses (i) and (ii), the following shall be substituted, namely :—

One mileage allowance for the judge, a second mileage allowance if two members of his family are travelling with him and a third mileage allowance if more than two members of his family travel with him, at the rate applicable to the judge on the date he was last on duty :

Provided that when any portion of the journey can be performed by rail, the allowance claimed in respect of that portion of journey shall not exceed the amount admissible had the judge and the members of his family travelled on such portion by rail by the highest class, (including air-conditioned);

(4) for the existing rule 6A, the following rule shall be substituted, namely :—

6A. Notwithstanding anything contained in rule 6, a judge of the Supreme Court shall be entitled to leave travel concession for himself, his wife and the dependent members of his family for visiting any place in India (including permanent residence in his home state) during his leave, twice a year, in accordance with the rules applicable in this behalf to a member of the Indian Administrative Service holding the rank of a Secretary to the Government of India.

Explanation :—For the purpose of this rule, 'leave' shall include vacation :

Provided that a judge and his wife shall have the option to travel by air or by air-conditioned first class when travelling by Railway. Dependent members of the family shall also be allowed to travel with either of them by air-conditioned first class, or by Air, when the judge or his wife travels on Leave Travel Concession;

(5) Rule 6C shall be omitted;

(6) in rule 7, in sub-rule (b),—

(i) for the existing clause (i), the following clause shall be substituted, namely :—

(i) One mileage allowance for one member of the family, a second mileage allowance if two members of the family

and a third mileage allowance if more than two members of the family of the deceased Judge travel, at the rate applicable to such deceased Judge;

(ii) in clause (ii), for the words and figures "60 maunds", the words and figures "2,400 Kilograms" shall be substituted.'

[F. No. 24/16/86-Jus.]

J. S. BADHAN, Jt. Secy.

Foot Note : Principal Rules published vide Notification No. G.S.R. 844 dated 14th July, 1959 Gazette of India dated 25th July, 1959 Part II Section 3(i) page 1054.

Subsequently amended by :—

- (i) G.S.R. 1881 dated 3-10-1968.
- (ii) G.S.R. 2010 dated 15-12-1970.
- (iii) G.S.R. 263(E) dated 27-4-1972.
- (iv) G.S.R. 579 dated 30-5-1974.
- (v) G.S.R. 1365 dated 18-12-1974.
- (vi) G.S.R. 343(E) dated 12-5-1976.
- (vii) G.S.R. 990 dated 28-7-1978.
- (viii) G.S.R. 871 dated 5-8-1980.
- (ix) G.S.R. 1043 dated 23-9-1980.
- (x) G.S.R. 394 dated 4-4-1981.
- (xi) G.S.R. 899 dated 28-9-1985.
- (xii) G.S.R. 484(E) dated 7-3-1986.
- (xiii) G.S.R. 175 dated 8-3-1986.